विदेश मंत्री (श्री इंद्र कुमार गुजराल) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी

168. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में पिछले तीन महीनों में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है ;

(ख) यदि हां, तो उसके प्रमुख कारण क्या हैं ; और

(ग) स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) पंजाब में हिंसा अधिकांशतः उग्रवादी समूहों द्वारा एक दूसरे पर अपनी प्रभुसत्ता जमाने के लिए लोगों के मन में भय का वातावरण पैदा करने के लिए हो रही है ।

(ग) विभिन्न उग्रवादी समूहों की गतिविधियों को रोकथाम करने, सीमा को सुदृढ़ बनाने तथा गांवों में एस०पी०ओ० चौकियां स्थापित करने के लिए विभिन्न उपाय किये गये हैं । जब कभी मांग की जाती है, केन्द्र सरकार सभी संभव सहायता उपलब्ध कराती है । समस्या का हल ढूंढने के लिए विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श भी किए गए हैं ।

पंजाब में हत्यायें

169. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** :

चौधरी हरि सिंह :

श्री बलराम सिंह यादव :

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव :

श्री एस० हनुमन्तप्पा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990 की पहली छमाही में पंजाब में उग्रवादियों द्वारा मारे गये व्यक्तियों, पुलिस और सुरक्षा कार्मिकों की संख्या कितनी है तथा इसी अवधि में मारे गये उग्रवादियों की संख्या कितनी है ;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान तदनुरूपी अवधि के इसी प्रकार के आंकड़ों के वर्षवार आंकड़े क्या हैं ;

(ग) सरकार ने उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाये हैं ; और

(घ) क्या पंजाब में आतंकवाद को समाप्त करने और वहां शान्ति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हाल के सप्ताहों में कोई नए कदम उठाए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) संलग्न विवरण के अनुसार । (नीचे देखिये)

(ग) और (घ). विभिन्न उग्रवादी ग्रुपों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सीमा को मजबूत करने तथा गांवों में एस०पी०ओ० चौकियों की स्थापना करने सहित कई कदम उठाये गये हैं । 120 कि०मी० पट्टी पर कांटेदार तारों की बाड़ लगा दी गई है और इसके अलावा 236 कि०मी० में बाड़ लगाने तथा 207 कि०मी० क्षेत्र में फ्लड लाइट लगाने की स्वीकृति दी गई है । सिविल तथा पुलिस शाखाओं के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा सिविल व पुलिस प्रशासन के भ्रष्ट, अक्षम तथा निष्ठाहीन अधिकारियों की छंटती करने संबंधी कदम उठाये गये हैं ताकि अधिक प्रभावी कार्रवाई की जा सके । इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श भी किया गया है ।